साथ जी कहो कहो,राज स्यामा स्याम
नींद से जगाए जो,है धनी का नाम

1- कौल धाम में किया याद भी रहा नहीं
हम फना को देख कर हो गए फना यहीं
नींद में गुजार दी जिंदगी तमाम
नींद से जगाए...

2- खो गया वोह ताड़वन खो गई वोह चांदनी
खो गए पच्चीस पक्ष खो गई है भामनी
तारतम लिया मगर भूल बैठी धाम
नींद से जगाए...

3- थे पुकारते धनी माया है अति घनी
तुम न जाओ देखने ढीठ फ़िर भी हम बनी
शरमा रही है खुद शरम किस पे है इल्जाम
नींद से जगाए...

Nijanand App